British India.

* भारत में उपनिवेशवाद
(Colonialism)

1757 भारतीय इतिहास में एक निर्णायक बिन्दु माना जाता है। ऐसा इसलिये क्योंकि पहली बार ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में एक व्यापारिक कंपनी से राजनैतिक सत्ता बनती है। यह परिवर्तन भारतीय इतिहास में दो अलग-2 रूपों में मूल्यांकित हुआ है। औपनिवेशिक एवं नव औपनिवेशिक इतिहास लेखन इस परिवर्तन को क्रांति मानता है। इस लेखन में यही से भारत में आधुनिकता की शुरूआत मानी गयी है। उनके अनुसार, आधुनिकता का तात्पर्य राजनैतिक रूप से कानून के शासन की स्थापना है (Rule of law) सामाजिक रूप से रूढ़िपन्थ की समाप्ति, सामाजिक गत्यात्मकता और एक तार्किक समाज (Rational society) का ~~पाश्चात्यीकरण के आधार पर~~ विकास है आर्थिक रूप से इसका अर्थ० जजमानी व्यवस्था पर आधारित स्वायत्त ग्रामीण अर्थ० की

मुक्त व्यापार की अवधारणा पर आधारित राष्ट्रीय अर्थ० का आविर्भाव है।

दूसरी तरफ आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन उपनिवेशवाद को एक क्रांति नहीं अभिशाप मानता है क्योंकि राजनैतिक रूप से इसका अर्थ ~~संरक्षक-संरक्षित रिश्तों पर आधारित~~ देशी शासकों की जगह एक विदेशी शासन की स्थापना है औ मैट्रोपॉलिस हित के इर्द-गिर्द स्थित है, सामाजिक रूप से जिसका तात्पर्य एक समेकित ग्रामीण समाज को जाति, वर्ग एवं ~~समृद्धि~~ साम्प्रदायिक के आधार पर विभाजित करना है, बाँटो और राज करो की नीति के आधार पर औपनिवेशिक हितों की पुष्टि करनी है जिसका आर्थिक अर्थ ~~साम्राज्यवादी~~ भारतीय स्रोतों का साम्राज्यवादी हित हेतु शोषण है, जो व्यवहारिक रूप से अकाल, भुखमरी, पिछड़ापन व दूसरी समस्याओं को जन्म देता है जिसे आजकल आधुनिक लेखन में अल्प विकास का विकास के रूप में परिभाषित किया जाता है।